मूल्य 1 रु.
वर्षः 15 - अंक : 56, मुंबई, सोमवार, 16 जून, 2025 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

DESI VILLAGE
RESTAURANT & CAFE
DUBAI

पुणे में बड़ा हादसा

रविवार दोपहर 3.30 बजे हुआ हादसा

कुंदमाला में इंद्रायणी नदी पर बना पुल ढहा

4 सैलानियों की मौत, करीब 30 लापता

कुंदमाला पुणे से करीब 30 किलोमीटर दूर है। जिस पुल पर यह हादसा हुआ, वह काफी पुराना था, इस पुल को आवाजाही के लिए बंद कर दिया गया था

मुंबई हलचल/संवाददाता

पुणे। पुणे के मावल तालुका के तालेगांव दाभाड़े शहर के पास प्रसिद्ध पर्यटन स्थल कुंदमाला में इंद्रायणी नदी पर बना एक पुराना पुल ढह गया। यह हादसा रविवार दोपहर 3.30 बजे के करीब हुआ। बड़ी संख्या में पर्यटक पुल पर नदी का तेज बहाव देखने और सेल्फी लेने के लिए जमा हुए। इसी दौरान कई दो पहिया वाहन गुजरे और पुल अचानक भर भराकर नदी में समा गया। स्थानीय विधायक सुनील शेल्के के मुताबिक 6 लोगों की मौत हुई है, जबकि करीब 25 से 30 लोग बह गए हैं।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

एनडीआरएफ ने 38 लोगों को नदी से सुरक्षित बाहर निकाला

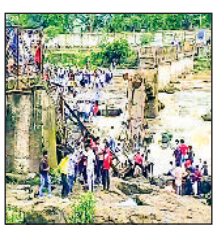

- रविवार को यहां पहुंचे पर्यटक पुल के बीच पर जाकर सेल्फी ले रहे थे
- तालेगांव में कुंदमाला पुणे का फेमस टूरिस्ट स्पॉट, जहां हुआ यह हादसा

पुराने पुलों का स्ट्रक्चरल ऑडिट करने के आदेश

ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए डिप्टी सीएम शिंदे ने मुख्य सचिव सुजाता सौनिक से फोन पर चर्चा की है और राज्य में ऐसे पुराने पुलों का स्ट्रक्चरल ऑडिट करने के आदेश दिए हैं।

बारिश के चलते बढ़ा जल स्तर

पिछले दो दिनों से मावल इलाके में भारी बारिश हो रही है और इंद्रायणी का जलस्तर बढ़ गया। इसके कारण एजेंसियों द्वारा नदी में गिरे पर्यटकों को बचाने के लिए जी-जान से प्रयास किए जा रहे हैं। घटना रविवार दोपहर करीब साढ़े तीन बजे की है। पुल गिरने की सूचना मिलते ही मौके पर पिंपरी-चिंचवड़ पुलिस आयुक्तालय के अंतर्गत पुलिस पहुंची। एनडीआरएफ की दो टीम मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू कार्य में जुटी हुई हैं।

स्थानीय बोले- पर्यटन स्थल पर सुरक्षा का इंतजाम नहीं

स्थानीय लोगों का आरोप है कि कुंडमाला एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल होने के बावजूद यहां पर्यटकों की सुरक्षा के लिए कोई इंतजाम नहीं हैं। यह पुल काफी पुराना और जर्जर हो चुका था और इसकी मरम्मत भी नहीं की गई थी। इसके अलावा, पुणे क्षेत्र में पिछले चार दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण इंद्रायणी नदी का जलस्तर और प्रवाह दोनों ही काफी तेज थे। इन सबके बावजूद, प्रशासन द्वारा पर्यटकों की सुरक्षा के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए, जिसे इस दुखद हादसे का एक प्रमुख कारण माना जा रहा है।

सीएम ने किया मुआवजे का ऐलान

इंद्रायणी नदी पर बना लोहे का पुल ढहने की घटना में राज्य सरकार ने मुआवजे का ऐलान किया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने दुख जताया है और घोषणा की है कि घटना में मारे गए लोगों के परिवारों को पांच-पांच लाख रुपए की आर्थिक सहायता देगी। इसके अलावा, राज्य सरकार घायलों के इलाज का खर्च भी उठाएगी। इस घटना के संबंध में मैं विभागीय आयुक्त, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक के सतत संपर्क में हूं। कुछ लोग बह गए हैं, जिनकी तलाश युद्धस्तर पर की जा रही है। एनडीआरएफ की तैनाती की गई है।

मालवण में शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर मंडराया खतरा !

जमीन धंसने से चबूतरे के पास आई दरार

मुंबई हलचल/संवाददाता

कानपुर। सिंधुदुर्ग के मालवण स्थित राजकोट किले पर छत्रपति शिवाजी महाराज की नवनिर्मित भव्य प्रतिमा पर एक बार फिर से संकट मंडरा रहा है। कुछ दिन पहले जिस प्रतिमा का भव्य लोकार्पण किया गया था, उसके चबूतरे के किनारे की जमीन धंस गई है। इस वजह से महाराज की प्रतिमा के बाईं ओर एक बड़ी दरार पड़ गई है। नतीजतन चबूतरे के निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठाए हैं।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

जांच के कई पहलू

अपेक्षा है कि बहु-आयामी जांच से उन सभी पहलुओं पर से रहस्य हटेगा, जो अहमदाबाद में 265 लोगों की गई जान के लिए जिम्मेदार हैं। उन कारणों की जवाबदेही किस पर है, इसे भी बिना कोई पक्षपात के तय किया जाना चाहिए।

अहमदाबाद में एयर इंडिया के विमान की हुई दुर्घटना की बहु-आयामी जांच का केंद्र का फैसला स्वागतयोग्य है। अपेक्षा है कि इससे उन सभी पहलुओं पर से रहस्य हटेगा, जो 265 लोगों की गई जान के लिए जिम्मेदार हैं। उन कारणों की जवाबदेही किस पर है, इसे भी बिना कोई पक्षपात के तय किया जाना चाहिए। यह तय है कि सुरक्षा संबंधी नियमों की कहीं ना कहीं अनदेखी हुई। अच्छी बात है कि अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों को शाखा को जांच प्रक्रिया का हिस्सा बनाने का निर्णय हुआ है। निर्विवाद रूप से हादसे के कुछ आयाम देश से बाहर हैं। आखिर दुर्घटनाग्रस्त हुए बोईंग 787 ड्रीमलाइनर विमान की निमार्ता अमेरिकी कंपनी है। हाल के वर्षों में इस कंपनी के कई विमान हादसों का शिकार हुए हैं। इस कारण ये कंपनी विवादों के घेरे में है। कुछ ह्विशलब्लोअर्स निर्माण प्रक्रिया के दौरान सुरक्षा उपायों को सुनिश्चित करने में लापरवाही के आरोप लगा चुके हैं। इधर यह शिकायत भी बार-बार उठी है कि जब से एयर इंडिया का प्रबंधन टाटा ग्रुप के पास गया है, विमान के रखरखाव एवं यात्री सुविधाओं में काफी गिरावट आई है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अहमदाबाद से विमान की उड़ान के वक्त उसके पंखों का सही एडजस्टमेंट ना होने और रनवे के दोषपूर्ण इस्तेमाल संबंधी शिकायतें चर्चा में हैं। फिर पायलटों के अनुभव पर सवाल खड़े हुए हैं। डीजीसीए के बयान के मुताबिक विमान की कमान लाइन ट्रेनिंग कैप्टन के हाथ में थी। सवाल उठा है कि क्या दुर्घटनाग्रस्त हुआ विमान ट्रेनिंग उड़ान पर था और असल में विमान की कमान सह-पायलट के हाथ में थी? फिर मुद्दा यह है कि विमानो के उड़ान क्षेत्र में पांच मंजिली इमारत (डॉक्टर हॉस्टल) बनाने की इजाजत कैसे दी गई, जिसके ऊपर एयर इंडिया का विमान जा गिरा? इन प्रश्नों के विश्वसनीय उत्तर सामने नहीं आए, तो ना सिर्फ एयर इंडिया की उड़ानों, बल्कि भारत के पूरे उड्डयन क्षेत्र के प्रति अविश्वास का माहौल बनेगा। इसलिए घोषित हुई जांच को अति गंभीरता से आगे बढ़ाया जाना चाहिए और जब कभी यह पूरी हो, इसके निष्कर्षों को अविलंब सार्वजनिक किया जाना चाहिए।

अनदेखी... आश्वासनों की झड़ी में महल बनाते भीलवाड़ा के पत्रकार पर झोंपड़ी बनाना भी मयस्सर नहीं

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। भारतीय फिल्म इतिहास में सन 1985 में एक फिल्म आई थी तवायफ जिसमें प्रसिद्ध गीतकार हसन कमाल द्वारा लिखित गीत और प्रख्यात संगीतकार रवि द्वारा निर्देशित और आशा भोंसले की आवाज में गाया गया एक गाना बहुत लोकप्रिय हुआ था जिसमें विरह में तड़पती प्रेमिका अपने प्रेमी को बीमारे गम की दवा लाने का अनुरोध कर रही हैं उसमें प्रेमी लाना तो चाह रहा था लेकिन ला नहीं पाया। और उस गाने के बोल थे - बहुत देर से दर पे आंख लगी थी हुजूर आते आते बहुत देर कर दी, मसीहा मेरे तुने बीमारे गम की दवा लाते लाते बहुत देर कर दी और यही गाना भीलवाड़ा जिले के पत्रकारों पर सटीक बैठ रहा हैं। हुआ यूं कि भीलवाड़ा में भूखंड से वंचित रहे पत्रकारों के लिए पत्रकारों ने कई बार प्रशासन और सरकार से आग्रह, निवेदन, गुजारिश की गई हैं लेकिन प्रशासन और सरकार के मुंह पर जूं तक नहीं रेंगी और आग्रह, निवेदन और गुजारिश जैसे शब्द भी बुढ़े होकर मरणासन्न की स्थति में पहुंच गए और पत्रकार हैं कि प्रशासन और सरकार से उम्मीद लगाए बैठे हैं कि - बैठें हैं नदी के किनारे कभी तो लहर आएगी। लहर क्या खाक आएगी क्योंकि हर बार प्रशासन और सरकार द्वारा पत्रकारों को मीठे आश्वासन की चासनी में लिपटी एक बहुत बड़ी चॉकलेट दे दी जाती और पत्रकार हैं कि उस चॉकलेट को बड़े शान से चूस रहे हैं और उस चॉकलेट को चूसते चूसते सदियां गुजर जाती हैं पर वो चॉकलेट कभी खत्म ही नहीं होती हैं, पर वो खत्म भी आखिर कैसे हो प्रशासन और सरकार ने उस पर मजबूती से नजर अंदाजी का लेप जो लगा रखा है, फिर भी कभी ना पूरी होने वाली उम्मीद की आश में पत्रकार इसे चूसते ही जा रहें है जिसका अंत कभी ना आया हैं और ना आएगा। लेकिन जब इंसान किसी बात को लेकर किसी के सामने फरियाद करता है तो उसका परिणाम आते-आते अरसा बीत जाता हैं और क्या पता उस संघर्ष के झुंड में शामिल राही प्रशासन की निरंकुशता के चलते अपने फरियाद के फैसले में देरी की वजह से नाराज इस सफर से ही अलग हो जाएं या छोड़ जाएं जिस तरह से फिल्म में हुआ हैं। और यही इस तवायफ फिल्म का गान - बहुत देर से दर पे आंख लगी थी कि हुजूर आते आते बहुत देर कर दी, मसीहा मेरे तुने बीमारे गम की दवा लाते लाते बहुत देर कर दी। ठीक यही गीत के बोल भीलवाड़ा जिले के पत्रकारों के साथ सटीक बैठ रहे हैं जहां वंचित पत्रकारों को भूखंड दिलाए जाने को लेकर नामी-गिरामी पत्रकार संगठनों द्वारा बहुत सी बैठकों के दौर चले और उसमें पत्रकारों की अन्य समस्याओं के साथ-साथ भूखंड से वंचित रहे पत्रकारों का मुख्य मुद्दा छाया रहा और इसको लेकर प्रशासन और सरकार को ज्ञापन देने का दौर भी चला मगर नतीजा वही ढाक के तीन पात! सरकार व प्रशासन की खोटी मंशा इस मसले को ना हल करने की थी और ना उसने किया और हां हर ज्ञापन के साथ साथ प्रशासन द्वारा पत्रकारों को आश्वासन की चोकलेटी चासनी लगाकर ऐसा झुनझुना पकड़ाया कि जिसे भीलवाड़ा जिले के सभी पत्रकार जो इस योजना का हिस्सा है चाहे वह वरिष्ठ पत्रकार हो या आम पत्रकार हो वो उस चॉकलेट को ऐसे चूसते रहे कि वो कभी खत्म ही नहीं हुई और प्रशासन व सरकार द्वारा पत्रकारों की कोहनी पर ऐसा गुड़ लगाया कि वो चाहकर भी उसे ना खा सके। 2013 से अब तक बहुत लंबा वक्त होता हैं और अभी हाल ही में भाजपा जिलाध्यक्ष मेवाड़ा को दिए गए ज्ञापन से पता चला कि उसके बाद पत्रकारों के लिए आवश्यक इस मुद्दे पर कोई विचार विमर्श नहीं किया गया है या हम यूं कहें तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी कि प्रशासन ने इसे सौतन की बेटी की तरह कूड़े के ढेर में पटककर ठंडे बस्ते में डाल दिया गया और उस पर प्रशासन की अनदेखी से एक मिट्टी की मोटी परत जम गई जिसे झाड़ने में शायद वक्त लगेगा। आखिर क्यों? और पत्रकार भी हर बार मिले मीठे आश्वासन की झपकी में अपने कानों में नवरतन या पतंजलि का तेल डालकर ऐसी चीर निद्रा में सोते रहे और सोचते रहे कि बैठें हैं नदी के किनारे कभी तो लहर आएगी। पर जिस नदी में पानी की जगह सिर्फ हवा हो तो लहरों की उम्मीद आखिर कैसे की जा सकती हैं? यह सही हैं कि प्रशासन सत्ता के हाथों की कठपुतली होता हैं और प्रशासन की मजाल है कि सरकार के बिना आदेश के पत्ता भी हिल जाए। पर मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ हैं और प्रशासन या सरकार को इसका अंदाजा नहीं कि सरकार को बनाने में मीडिया का बहुत बड़ा हाथ होता हैं। पर प्रशासन को ये बात समझ क्यों नहीं आ रही कि हर सरकार सिर्फ पांच साल की होती हैं और पत्रकार आजीवन होता हैं। पर जब सरकार और प्रशासन का जिले के पत्रकारों के साथ ऐसा रुखा व्यवहार हैं तो आम जनता के साथ प्रशासन, सरकार समय रहते उनके हक में काम करेंगी ये सोचना सरासर बेमानी होगा पर भीलवाड़ा जिले के पत्रकार शासन, प्रशासन और सरकार से अपना जायज हक ही तो मांग रहे हैं कोई रंगदारी या हफ्तावसुली नहीं जिसमें शासन और प्रशासन व सरकार को इस मुद्दे पर सोचने, समझने में इतनी मशक्कत करनी पड़ रही हैं। सरकार (कांग्रेस) वो भी थी चली गई और सरकार ये भी (भाजपा) हैं वक्त आने पर चली जाएगी क्योंकि परिवर्तन प्रकृति का नियम हैं। पर शायद सरकार और प्रशासन की निरंकुशता के चलते ये मुद्दा जीवित और बरकरार रहे। क्या पता इस सरकार के नुमाइंदे या समर्थक इस बार भी पत्रकारों को कोई ऐसा आश्वासन का झुनझुना पकड़ाने की सोचकर बैठें कि आने वाले वक्त में पत्रकारों को ना उगलते बने और ना निगलते। और सरकार मजे में अपने पांव साल निकाल लें। और पत्रकारों द्वारा इस मुद्दे को लेकर वापस नई सरकार के समक्ष बैठकों का दौर और ज्ञापन देने का सिलसिला फिर से चले।

वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान के तहत पुर्बीया कलाल समाज ने प्राचीन बावड़ी की सफाई की

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान/उदयपुर। जल संरक्षण अभियान एक महत्वपूर्ण पहल है जिसका उद्देश्य जल संसाधनों का संरक्षण और प्रबंधन करना है। हाल ही में, राजस्थान सरकार ने 'वंदे गंगा' जल संरक्षण-जन अभियान शुरू किया है, जिसके तहत पूरे राज्य में जल संरक्षण के व्यापक काम किए जा रहे हैं। इसी कड़ी के तहत आज दिनांक 15 जून 2025 को पुर्बीया कलाल समाज अध्यक्ष दिनेश पुर्बीया के नेतृत्व में समाज के लोगों के द्वारा पुबीर्या कलाल समाज के ही राधा कृष्ण मंदिर में वर्षों पुरानी

बावड़ी की सफाई की गई बताया कि रविवार को प्रातः 9:00 बजे हाथीपोल राधा कृष्ण मंदिर परिषद में इकट्ठे हुए था बावड़ी की सफाई की गई। समाज अध्यक्ष दिनेश पुबीर्या ने बताया कि यह बावड़ी स्वरूप सागर बना तब से है। दरबार की तरफ से यह जगह अलॉट की गई थी यही पर राधाकृष्णन मंदिर है। इस बावड़ी के पानी का उपयोग करते आ रहे हैं। बहुत प्राचीन बावड़ी है। एक जमाने में शहर में नल नहीं हुआ करते थे तब लोग पीने का पानी यहां से ले जाया करते थे। दिनेश पुबीर्या ने सफाई अभियान में साथ देने वाली टीम यशवंत पुबीर्या, छगन पुर्बीया, पन्नालाल पुर्बीया रेवंत पुर्बीया, आनंद पुबीर्या, नितेश चौधरी, नरेश पुबीर्या, मदन चौधरी, एवं समाज जन, का धन्यवाद किया साथ ही जल संरक्षण अभियान के उद्देश्यः से समुदाय की भागीदारी रही। उक्त जानकारी क्षेत्रीय पत्रकार मदन चौधरी ने राजस्थान प्रभारी भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस, मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व), मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल, साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301, इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड, मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

अंजनगाव तालुका मे सुमय्या अली का किया गया जाहीर सत्कार

मुंबई। 12 जुन 2025 को अंजनगाव तालुका के व्ही गाव मंगल कार्यालय मे सुमय्या अली राष्ट्रीय अध्यक्षा नारीशक्ती सेवा फाऊंडेशन इनका सत्कार किया गया ये सत्कार सूमय्या अली को मिले महाराष्ट्र शासन के पुरस्कार के उपलक्ष मे किया गया सुमय्या अली पिछले कई सालो से सामाजिक कार्य मे कार्यरत है अभी तक उन्होने एड्स लोकसंख्या वाढ, वृक्षरोपण, व्यसनमुक्ती, साफसफाई अभियान, छोटे गरीब बच्चो को मुक्त पुस्तके, कपडो का वाटप, दिन दलित गरीब कष्टकरी कामगार शोषित पीडित युवक महिला और शेतकरी इन्हे नियाय दिलाने के लिए हमेशा प्रयत्नशील रहे है सुमय्या अली ने हमेशा गरजू गरीब लोगो को बहुत बार रक्तदान करके उनकी जान बचाई है उसी प्रकार से कोरोना काल मे गरजू गरीब मरीजो को ऑक्सिजन उपलब्ध करवा के दिया है दुर्घटना होने पर जखमी लोगो की सहायता करके उनकी जान बचाने का काम किया है सर्वधर्म संभव की दृष्टि से ईद मिलन, दिवाली मिलन, दशेरा मिलन, गणेशोत्सव, दुर्गा उत्सव, पोलीस प्रशासन को सहयोग किया है, बच्चो को शिक्षण लेने के लिए

प्रोत्साहित कीया है महिला सशक्तिकरण किया है युवाओ को क्रीडा क्षेत्र के लिये प्रोत्साहित किया है सांस्कृतिक कार्यक्रम लिये है ऐसे अनेक कार्य सुमय्या अली इन्होने अपने नारीशक्ती सेवा फाऊंडेशन के माध्यम से किया है जिनकी दाखल लेते हुए उन्हे राष्ट्रीय समाज भूषण पुरस्कार राष्ट्रीय संघर्ष नायक पुरस्कार राष्ट्रीय सेवार्थ पुरस्कार जिजामाता पुरस्कार त्याग मूर्ती माता रमाई आंबेडकर गौरव पुरस्कार महिला सन्मान पुरस्कार विदर्भ इस्त्री मातु शक्ती सन्मान पुरस्कार स्वामी विवेकानंद पुरस्कार बेस्ट सोशल वर्कर अवॉर्ड राज्यस्तरीय गुणगौरव पुरस्कार महिला कार्य गौरव रत्न पुरस्कार महाराष्ट्र रत्न पुरस्कार असे अनेक पुरस्काराचे पुणे सन्मानित किया गया है इन सभी की दखल लेते हुए महाराष्ट्र शासन का जिल्हा युवा पुरस्कार प्रदान किया गया था इन सभी की दखल लेते हुए ऑल इंडिया मुशायरा व कवी संमेलन कमिटी की ओर से सुमय्या अली इनका जाहीर सत्कार किया गया यह सत्कार शिवसेने के आमदार गजानन लवटे इनके हाथो शॉल श्रीफळ पुष्पगुच्छ और मेमोरेनडम देकर किया गया इस समय प्रमुख उपस्थिती शिवसेनेचे आमदार गजानन लवटे, सरपंच जयश्री पोटदुखे, कलीमुद्दीन जमदार, साबीर सौदागर, गोलू सौदागर आदी मान्यवर उपस्थित थे कार्यक्रम का संचालन सलीम शेख तो आभार प्रदर्शन फिरोज कुरेशी इन्होने किया। सत्कार होने के बाद सुमय्या अली इनका सभी ओर अभिनंदन किया जा रहा है।

पत्रकारिता की न्यूनतम योग्यता के मापदंड का अभाव पत्रकारिता के गिरता स्तर का जिम्मेदार? : डॉक्टर सैयद खालिद कैस

मुंबई। वैसे तो भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(1)(अ) के तहत अभिव्यक्ति की आजादी का अधिकार है जिसे नागरिकों के मूल अधिकारों में भी शामिल किया गया। जिसके कारण पत्रकारिता के लिए किसी न्यूनतम योग्यता को निर्धारित नहीं किया गया। जिसका परिणाम यह हो रहा है देश भर ऐसे लाखों लोग पत्रकारिता कर रहे हैं जिनकी शिक्षा दीक्षा ,योग्यता का आभाव देखा जा रहा है। नतीजतन पत्रकारिता की स्थिति चिंताजनक होती जा रही है। ऐसा नहीं है कि इस स्थिति से शासन तंत्र अनभिज्ञ हो।इसी बात की चिंता करते हुए भारतीय प्रेस परिषद के भूतपूर्व अध्यक्ष माननीय जस्टिस मार्कडेय काटजू ने अपने कार्यकाल में पत्रकारिता की न्यूनतम योग्यता तय करने के लिये एक समिति गठित की थी। लेकिन एक लंबे अंतराल बाद भी उक्त समिति की कोई रिपोर्ट नज़र नहीं आई तो प्रेस क्लब ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स ने भारतीय प्रेस परिषद में सूचना का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत आवेदन पत्र प्रस्तुत कर उक्त समिति के संबंध में

जानकारी चाही तो मिली जानकारी से यह साबित हो गया कि भारतीय प्रेस परिषद पत्रकारिता के गिरते स्तर के लिए खुद भी जिम्मेदार है।

गौरतलब हो कि प्रेस क्लब ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स द्वारा भारतीय प्रेस परिषद को सूचना का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत भेजे गए आवेदन पत्र का जवाब देते हुए संबंधित लोक सूचना अधिकारी ने लिखित रूप में बताया कि अनुरोधित जानकारी भारतीय प्रैस परिषद के रिफ्रेन्स अनुभाग (Reference Section) के पास उपलब्ध नहीं है। उन्होंने यह भी लिखा कि यह जानकारी PCI के विधि अनुभाग (Legal Section) के पास उपलब्ध हो सकती है।

प्रेस कौंसिल ऑफ इंडिया के अनियमित आचरण का ही परिणाम है कि आजादी के 77साल बाद भी जब एक चपरासी की न्यूनतम योग्यता निर्धारित है लेकिन पत्रकारिता की न्यूनतम योग्यता आज तक निर्धारित नहीं है।

पत्रकारिता की न्यूनतम योग्यता के मापदंड के अभाव में पत्रकारिता का गिरता स्तर चिन्ता का विषय है।

प्रेस क्लब ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर सैयद खालिद अली ने प्रेस कौंसिल ऑफ इंडिया सहित जनरल रजिस्ट्रार न्यूज पेपर ऑफ इंडिया से मांग की है कि पत्रकारिता के गिरते स्तर पर अंकुश लगाने के लिए पत्रकारिता की न्यूनतम योग्यता के मापदंड निर्धारित किए जाए ताकि पत्रकारिता पर लगने वाले आघात पर अंकुश लगाया जा सके।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

पुणे में बड़ा हादसा

पुणे में हुए हादसे के बाद महाराष्ट्र सरकार अलर्ट हो गई है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने इस हादसे में मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। साथ ही उन्होंने प्रशासन को घायलों को तत्काल उपचार मुहैया कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही पुराने पुलों के स्ट्रक्चरल ऑडिट का आदेश भी दिया। नदी में बहे पर्यटकों को बचाने के लिए एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम हर संभव प्रयास कर रही हैं। हादसे के वक्त पर्यटकों के साथ छोटे बच्चे भी थे। दरअसल मावल तालुका में पिछले दो दिनों से भारी बारिश हो रही है। इस वजह से नदी का जल स्तर बढ़ गया था। रविवार होने के कारण कई लोग कुंदमाला घूमने आए थे। घटना की जानकारी लगते ही मंत्री गिरीश दत्तात्रेय महाजन भी मौके पर पहुंच गए थे। सीएम देवेंद्र फडणवीस ने घटना को लेकर कहा कि इस संदर्भ उन्होंने डिविजनल कमिश्नर, तहसीलदार और पुलिस कमिश्नर तत्परता से बचाव कार्य सुनिश्चित करने और नदी में बहे सभी लोगों को सुरक्षित निकालने के आदेश दिए हैं। इंद्रायणी नदी पर पुल हादसे में सीएमओ की ओर से सोशल मीडिया पोस्ट कर जानकारी दी गई है कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के निर्देश पर राज्य सरकार पुल हादसे में जान गंवाने वालों के परिवारों को 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करेगी। इसके अलावा, राज्य सरकार घायलों के इलाज का खर्च भी वहन करेगी।

मालवण में शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर मंडराया खतरा!

राजकोट किले पर पहले स्थापित की गई महाराज की लगभग 40 फीट ऊंची प्रतिमा 26 अगस्त 2024 को गिर गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उस प्रतिमा का अनावरण किया था। इस वजह से सरकार की काफी किरकिरी हुई थी। विपक्ष ने सत्तारूढ़ महायुति सरकार पर जोरदार हमला बोला था। उसके बाद महायुति सरकार ने प्रतिमा की जगह पर फिर से हाथ में तलवार वाली महाराज की 83 फीट ऊंची नई प्रतिमा का निर्माण कराया है। इस प्रतिमा को 10 फीट ऊंचे चबूतरे पर स्थापित किया गया है। मई 2025 में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने प्रतिमा का अनावरण किया था। लेकिन एक महीने के भीतर ही प्रतिमा के चबूतरे की जमीन धंस गई है। इससे संबंधित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद प्रशासन ने आनन-फानन में कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रशासन का दावा है कि प्रतिमा सुरक्षित है। प्रतिमा को कोई खतरा नहीं है। सिंधुदुर्ग तट पर राजकोट किले के पास युद्धकालीन योद्धा मुद्रा में छत्रपति शिवाजी महाराज की 60 फुट ऊंची प्रतिमा स्थापित की गई है। तलवार सहित प्रतिमा की कुल ऊंचाई 83 फुट है। जबकि 10 फीट ऊंचे चबूतरे के कारण प्रतिमा की भूमि तल से कुल ऊंचाई 93 फीट हो गई है। प्रतिमा के निर्माण में कांस्य धातु का उपयोग किया गया है, जिसमें 88% तांबा, 4% जस्ता और 8% टिन है।

पंडित हीरालाल विधि महाविद्यालय का शुभारंभ

अंतू, प्रतापगढ़ (उ. प्र.) में स्थित पंडित हीरालाल विधि महाविद्यालय का शुभारंभ होने पर क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर है। इस महाविद्यालय की अध्यक्ष डॉ. सीमा मिश्रा तथा संरक्षक पूर्व विधायक बृजेश सौरभ हैं। यह महाविद्यालय प्रो. राजेंद्र सिंह रज्जू भैया, प्रयागराज एवं बार काउंसिल ऑफ इंडिया नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त है, जिसमें त्रिवर्षीय एल एल बी के संचालन हेतु 120 सीटें स्वीकृत हैं। शैक्षिक सत्र 25-26 के लिए प्रवेश प्रारंभ हो चुका है। गौरवतलब रहे कि बृजेश सौरभ मूल रूप से अंतू के कपासी गांव के रहने वाले हैं। इन्होंने शिक्षा एवं स्वास्थ के साथ बुनियादी व्यवस्थाओं को जिले में स्थापित करने का महानीय कार्य किया है। पंडित हीरालाल छविराज कुंवरि जी महाविद्यालय की स्थापना करके अंतू में उच्च शिक्षा की एक अलख जगाई। जिसमें बी ए, एम ए, बी एड जैसे कई कोर्स संचालित किए जा रहे हैं। सौरभ का कहना है कि जब उच्च शिक्षा गांव के अंतिम व्यक्ति को प्रदान की जाएगी, तभी सही मायने में भारत को सशक्त और स्वर्णिम बनाया जा सकेगा, क्योंकि भारत के विकास का रास्ता गांव से ही होकर गुजरता है। यदि गांव शिक्षित एवं सशक्त बनेगा तो राष्ट्र स्वमेव प्रगति के नित नए सोपान गढ़ेगा।

खबर संक्षेप

धन के जाल में न फंसे पार्टी कार्यकर्ता : उद्धव

मुंबई। शिवसेना के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने अपने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि वे पाला बदलने के लिए पैसों के प्रलोभन में न आएं और मुंबई की खातिर एकजुट रहें। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, '' जो लोग पैसे के लालच में फंस जाते हैं, वे यह नहीं समझते कि उनका इस्तेमाल किया जा रहा है और बाद में उन्हें फेंक दिया जाएगा। यह टिप्पणी महाराष्ट्र में बीएमसी समेत विभिन्न स्थानीय और नगर निकायों के चुनावों से पहले आई है। संभवतः इस वर्ष के आखिर में इन निकायों के चुनाव हो सकते हैं। जून 2022 में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में विद्रोह होने के बाद शिवसेना विभाजित हो गयी थी।

शनि शिंगणापुर मंदिर से 167 कर्मी बर्खास्त

मुंबई। महाराष्ट्र के अहिल्यानगर जिले में स्थित शनि शिंगणापुर मंदिर न्यास ने अनुशासन का उल्लंघन करने और अनियमितताओं का हवाला देते हुए 167 कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया है, जिनमें 114 मुस्लिम कर्मी भी शामिल हैं। न्यास के एक अधिकारी ने बताया कि यह निर्णय पूरी तरह से प्रशासनिक आधार पर लिया गया है, क्योंकि इन कर्मचारियों को कुछ सेवा नियमों और अनुशासनात्मक मानदंडों का उल्लंघन करते पाया गया था। यह कदम, हाल ही में हिंदू संगठनों द्वारा मंदिर परिसर में मुस्लिम कर्मचारियों की मौजूदगी का विरोध करने के बाद उठाया गया है।

ईरानी रक्षा मंत्रालय को बनाया निशाना, ईरान ने भी इजराइल पर किया पलटवार

इजराइल-ईरान कर रहे एक दूसरे पर मिसाइलों की बारिश, कई ठिकाने तबाह, सैकड़ों लोग मरे

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

ईरान और इजराइल ने शनिवार देर रात एक बार फिर एक-दूसरे पर कई मिसाइलें दागीं। इन मिसाइलों में से कई मिसाइलों को दोनों देशों ने मार गिराया वहीं कई मिसाइलों ने दोनों ही देशों के रहवासी क्षेत्रों में भारी तबाही मचाई। इजरायल और ईरान दोनों ही एक दूसरे को नुकसान पहुंचाने का दावा कर रहे हैं।

इजराइली डिफेंस फोर्स ने ईरान में मिलिट्री हथियार फैक्ट्रियों और उनके आसपास रहने वाले नागरिकों को तुरंत इलाका खाली करने की चेतावनी दी है। दोनों देशों के संघर्ष में चीन और अमेरिका की अप्रत्यक्ष एंट्री होने से युद्ध के हालात और गंभीर होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता।

इजरायल के हवाई सेना प्रमुख कर्नल अविचय अद्री ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि हथियार फैक्ट्रियों के पास रहना ईरानियों के लिए खतरनाक हो सकता है। इजराइल का दावा है कि उसने तेहरान में रक्षा मंत्रालय को निशाना बनाया है। इसके अलावा तेहरान और बुशहर में ऑयल डिपो और गैस रिफाइनरी समेत 150 से ज्यादा ठिकानों को तबाह किया है।

चीन भी कूदा जंग में, चीनी कार्गो प्लेन तेहरान में उतरा

इजरायल और ईरान के बीच जंग में क्या अब चीन भी कूद पड़ा है? दरअसल तेहरान में चीनी कार्गो प्लेन की लैंडिंग की खबर से यह अटकलें तेज हो गई हैं। माना जा रहा है कि इसके जरिये चीन ने ईरान को भारी मात्रा में हथियार सप्लाई की है। मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इस प्लेन ने अपने ट्रांसपॉन्डर बंद कर रखे थे, जिससे यह रडार की पकड़ में ना आ सके। चीन और ईरान की रणनीतिक साझेदारी और सैन्य सहयोग को देखते हुए माना जा रहा है कि इसमें सैन्य उपकरण या प्रतिबंधित सामान हो सकते हैं।

ट्रंप की चेतावनी- अगर हम पर हमला किया तो.....

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को ईरान को चेतावनी देते हुए कहा, 'अगर किसी भी रूप में, किसी भी तरीके से ईरान ने हमारे खिलाफ हमला किया तो, अमेरिका की सशस्त्र सेनाओं की पूरी ताकत और शक्ति तुम पर ऐसी गिरेगी जैसी पहले कभी नहीं देखी गई होगी। ट्रंप का यह बयान उस समय आया जब इजरायल ने शनिवार को तेहरान में ईरान के रक्षा मंत्रालय मुख्यालय को निशाना बनाया और ईरान के बुशहर प्रांत में स्थित साउथ पार्स गैस फील्ड से जुड़े एक नैचुरल गैस प्रोसेसिंग यूनिट पर हमला किया।

घुटनों पर ईरान, नेतन्याहू से युद्धविराम की गुहार

ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते तनाव के बीच अब कूटनीतिक प्रयास तेज हो गए हैं। ईरान के शीर्ष राजनयिक ने साफ संकेत दिया है कि अगर इजरायल अपने हमले रोकता है तो ईरान भी जवाबी कार्रवाई बंद कर देगा। इस बीच, एक सूत्र के हवाले से द जेरूसलम पोस्ट ने बताया कि ईरान ने ओमान और कतर से मध्यस्थता करने का आग्रह किया है ताकि वॉशिंगटन के साथ परमाणु वार्ताएं फिर से शुरू कराई जा सकें और इजरायली हमले रोके जा सकें।

नेतन्याहू बोले- अभी तो सिर्फ शुरुआत है...

भीषण जंग के बीच इजरायली पीएम नेतन्याहू ने ईरान को धमकी दी है कि ईरान रुक जाए अन्यथा ये तो शुरुआत है। आगे बहुत बड़ी तबाही ईरान में ला देंगे। नेतन्याहू ने कहा कि ईरान को इजरायली हमले में भारी नुकसान उठाना पड़ा है। इजरायल ने एक साथ कई फ्रंट पर ईरान को निशाना बनाया। एक तरफ उसकी सेना के टॉप कमांडर और परमाणु वैज्ञानिक मारे गए तो दूसरी तरफ उसके परमाणु कार्यक्रमों की भी धज्जियां उड़ गईं।

बंदूकधारियों ने की 100 की हत्या, गोली मारी, जिन्दा जलाया

मुंबई हलचल / नाइजीरिया

अफ्रीकी देश नाइजीरिया के एक गांव में बंदूकधारियों ने भयावह हमले करते हुए 100 से ज्यादा लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी है। बंदूकधारियों ने बेन्यू राज्य के येलेवाटा गांव में इस घटना को अंजाम दिया है। एमनेस्टी इंटरनेशनल नाइजीरिया ने इसकी पुष्टि की है। कल देर रात गांव में पहुंचे बंदूकधारी शनिवार सुबह तक लोगों को ढूंढ-ढूंढकर उनकी हत्या करते रहे।

इससे पूरा गांव किसी खुले कब्रिस्तान में बदल गया, जहां चारों ओर लाशें बिखरी थीं। फर्स्टपोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, येलेवाटा में हुए इस भीषण हमले के बाद कई लोग लापता हैं। उनके या तो बच निकलने या फिर अपहरण किए जाने की आशंका है। वहीं दर्जनों लोग घायल हैं। इनको उचित चिकित्सा देखभाल भी नहीं मिल पा रही है। बेन्यू राज्य में हालिया समय में इस तरह के नरसंहार के मामले लगातार देखे गए हैं।

लोगों को घरों में बंद कर जलाया

एमनेस्टी इंटरनेशनल ने कहा है, 'हमलावरों ने कई परिवारों को उनके घरों में बंद कर जिंदा जला दिया। ये जुल्म की इंतहा है। हम बेन्यू राज्य में हमलों के खतरनाक बढ़ने का दस्तावेजीकरण कर रहे हैं, जहां बंदूकधारी बिना किसी डर के लोगों को मार रहे हैं।' उसने कहा, 'ये हमले बड़े पैमाने पर विस्थापन का कारण बन रहे हैं।

किसानों और चरवाहों के बीच झड़प है कारण : नाइजीरिया में भूमि के विवाद अक्सर बढ़ते हुए जातीय और धार्मिक तनाव का कारण बन जाते हैं। इन हमलों के लिए अधिकतर फुलानी चरवाहों को दोषी ठहराया जाता है।

सरकार के प्रयास भी हुए विफल

इस क्षेत्र में पिछले महीने भी संदिग्ध चरवाहों ने ग्वेर पश्चिम जिले में कम से कम 42 लोगों की हत्या कर दी थी। इंटेलिजेंस के अनुसार, 2019 से इस तरह की झड़पों में 500 से अधिक लोग मारे गए हैं और करीब 22 लाख लोग अपने घरों से भागने को मजबूर हुए हैं। नाइजीरियाई सरकार ने बेन्यू राज्य में शांति स्थापित करने के लिए कई प्रयास किए हैं, लेकिन कोई खास सफलता नहीं मिली है।

दुनिया का सबसे महंगा अंगूर, एक गुच्छे की कीमत में खरीद सकते हैं कार

टोक्यो। दुनियाभर में अंगूर की कई किस्में पाई जाती हैं। भारत में भी लोगों को अंगूर खाना काफी पसंद है। अभी तक आपने सिर्फ काले और हरे अंगूर खाये होंगे, जो आपको बाजार में आसानी से 100 रुपए से भी कम में एक किलो मिल जाता है। लेकिन, क्या आपने कभी कल्पना की है कि अंगूर का सिर्फ एक गुच्छा कितना महंगा हो सकता है? आज हम आपको एक ऐसे अंगूर के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसकी कीमत आपके होश उड़ा सकती है। अंगूर की इस किस्म का नाम 'रूबी रोमन' है, जो लाल रंग की होती है। साल 1995 में अंगूर की इस प्रजाति को विकसित किया गया। जापान के इशिकावा में अंगूर की इस प्रजाति को विकसित करने के लिए किसानों ने प्रीफेक्चुरल एग्रीकल्चर रिसर्च सेंटर से एक अपील की। रिसर्च सेंटर ने 400 अंगूर की लताओं पर करीब दो साल तक एक्सपेरिमेंट किया। अंगूर की 400 लताओं में से केवल 4 में ही लाल अंगूर आए। इन 4 अंगूरों में से एक किस्म ऐसी थी, जिसने किसानों का दिल जीत लिया। रूबी रोमन अंगूर को 'इशिकावा का खजाना' भी जाता है। इसकी खेती के दौरान अंगूर के आकार, स्वाद और रंग का विशेष ख्याल रखा जाता है।

एक गुच्छे में करीब 24 अंगूर

इस खास प्रजाति के एक अंगूर का वजन करीब 20 ग्राम होता है। एक गुच्छे में करीब 24 अंगूर होते हैं। जापान में रूबी रोमन अंगूर की कीमत करीब 9 लाख रुपए होती है। ऊंची कीमत की वजह से यह लाल अंगूर खासतौर पर अमीरों के फल के तौर पर जाना जाता है। यह अंगूर खाने में काफी मीठा होता है। आकार में यह अन्य अंगुरों से चार गुना बड़ा होता है। साथ ही ज्यादा मीठा और रसभरा होता है। इस अंगूर के एक गुच्छे की कीमत 9 लाख होती है। यानी एक अंगूर की करीब 25 हजार रुपए।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

अभिनेत्री श्रित चांदे ने असाधारण सपना देखा

मुंबई। एक छोटे से गाँव की मगर विशेष व्यक्तित्व की धनी लड़की ने असाधारण सपना देखा। वह था फि ल्मों की चमकती दुनिया में अपनी पहचान बनाने का सपना। यह कहानी है श्रित चाँदे की, जो आज हजारों युवाओं के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं। जो मायानगरी में आना चाहते हैं। श्रित चाँदे का जन्म मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र बॉर्डर पर स्थित एक सामान्य गांव पांढुरना में हुआ था, जहाँ लड़कियों से अक्सर बड़े सपने देखने की उम्मीद नहीं की जाती। लेकिन श्रित ने अपने सपनों को ज़िंदा रखा।

हर कठिनाई और अस्वीकृति को अपने आत्मबल और मेहनत से मात दी। श्रित जब किशोरावस्था में ही थी तभी कुछ कर गुजरने का जुनून लिए घर को छोड़ दिया और पहले नागपुर फिर चंद्रपुर फिर भंडारा और पुनः नागपुर आ गयी। अकेली मासूम जिसे दुनिया की समझ ना थी उसने अपने जीवन यापन के लिए पहले प्रयास किया। उसने सबसे पहले मार्केटिंग बिजनेस में सेल्स गर्ल का काम किया जिसमें उसने सबसे पहले डिटेरजेंट पावडर फिर प्रोटीन पाउडर और आरओ जैसे कई प्रोडक्ट डोर टू डोर बेचे। पार्टी और रिसेप्शन में वेट्रेस का काम किया और इस तरह छोटे बड़े काम करके पैसे जमा किये ताकि मायानगरी की राह आसान हो जाये। नागपुर में ही एक फैशन शो में हिस्सा लिया जहाँ जाने से पहले उन्हें कई लोगों ने मना किया, किसी का सपोर्ट नहीं मिला तभी उनकी एक महिला मित्र ने उन्हें प्रोत्साहित किया और मुम्बई आने की सलाह दी। फैशन शो के कारण श्रित को विज्ञापनों में काम करने का मौका मिला। मुंबई जैसे बड़े शहर में अपने पैर जमाना किसी युद्ध से कम नहीं। लेकिन श्रित ने हार नहीं मानी। वह मुम्बई आने के बाद उसी मित्र के साथ रही और यहाँ अभिनय के लिए ऑडिशन दिए। लेकिन जब उन्हें चार शो ऑफर हुए तब उनकी दोस्त ने दगा किया जिसके कारण उसका रेंट का घर उससे छीन लिया गया। मजबूरी में वह अंडर कंस्ट्रक्शन बिल्डिंग में तीन दिनों रही क्योंकि उनके दैनिक जीवन के खर्चे के पैसे भी चोरी हो गए थे। मगर उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। आर्थिक स्तर को मजबूत बनाने के लिए श्रित ने विज्ञापन फिल्मों और फैशन शो के जरिये अपनी शुरूआत की और धीरे-धीरे इंडस्ट्री में अपनी जगह बनानी शुरू की। लैक्मे, लोढ़ा बिल्डर, फ्लिपकार्ट,साड़ी, ज्वेलरी आदि कई छोटे बड़े ब्रांड्स के विज्ञापन

किये। टीवी में धारावाहिक विघ्नहर्ता गणेश में काम किया है। कई मोड़ उनकी जिंदगी में ऐसे आये जब वह लगभग टूट सकती थी मगर श्रित ने हार नहीं मानी। यह दृढ़ विश्वासी मराठी मुलगी जमीन से जुड़ी इंसान है जिसने बेहद कम उम्र में कई अच्छे बुरे अनुभवों को जीया है। इनका परिवार फिल्मी जगत से संबंधित नहीं है इसलिए इनके सपनों को उन लोगों ने नहीं समझा। वैसे बचपन से ही श्रित चाँदे को अभिनय और नृत्य में रुचि थी। स्कूल के कार्यक्रमों में मंच पर जब वह आतीं, तो उनकी कला को हर कोई मंत्रमुग्ध होकर देखता। उन्होंने खुद को निखारने के लिए स्कूल और लोकल नाटकों में हिस्सा लिया, डांस और अभिनय वर्कशॉप में भाग लिया और सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर अपने टैलेंट को दुनिया के सामने रखा। उनका परिवार चाहता था कि वह कोई सरकारी नौकरी करें। बॉलीवुड में वह बिपाशा बसु से बेहतर प्रभावित हुईं और कहीं ना कहीं यही प्रभाव उन्हें मायानगरी ले आया। बिपाशा बसु की आत्मनिर्भरता, सुष्मिता सेन की गरिमा, प्रियंका चोपड़ा की वैश्विक सोच और लारा दत्ता की बुद्धिमत्ता ने श्रित के दृष्टिकोण को आकार दिया। उन्होंने इन महिलाओं की तरह खुद को न केवल ग्लैमर की दुनिया में, बल्कि एक सशक्त महिला के रूप में भी स्थापित किया। वह सलमान खान, शाहरुख खान, आयुष्मान खुराना और नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ काम करना चाहती हैं। निर्देशक फराह खान की फिल्म ओम शांति ओम का प्रसिद्ध संवाद अगर किसी चीज को शिद्दत से चाहो तो पूरी कायनात तुम्हे उससे मिलाने में लग जाती है। श्रित चाँदे के जीवन की प्रेरणा है। श्रित अब अपने करियर की एक नई ऊँचाई पर हैं। बहुत जल्द वह एक मराठी फि ल्म में अपने पहले आइटम सॉन्ग से दर्शकों को चौंकाने और मनोरंजन करने आ रही हैं। उनका यह डांस नंबर न सिर्फ.ग्लैमर से भरपूर होगा, बल्कि उनकी मेहनत और समर्पण की गवाही भी देगा।

श्रित कहती हैं-अगर आपमें जज्बा है, तो मंजिल तक जरूर पहुंचेंगे। सपनों को पूरा करने के लिए सिर्फ. मेहनत की जरूरत होती है। बाकी सब रास्ते खुद बनते जाते हैं। यदि आप इस ग्लैमर की दुनिया में कदम रख रहें हो तो केवल अपने लक्ष्य पर ध्यान दें क्योंकि आपको मार्ग से विचलित करने वाले तत्व हजारों मिलेंगे मगर मंजिल तक का सफर आपको अकेले तय करना है। श्रित भविष्य में जानवरों की सहायता के लिए एक एनजीओ बनाना चाहती है। आज श्रित चाँदे सिर्फ एक अभिनेत्री नहीं हैं, वह उन हजारों लड़कियों की उम्मीद है, जो गांवों में बैठकर एक नई सुबह का सपना देखती हैं।

श्रित की कहानी हमें यह सिखाती है कि सपनों की कोई सीमा नहीं होती। बस उड़ान भरने का हौसला होना चाहिए।

संत कबीर जयंती पर 855 विद्यार्थियों को वितरित की गई शैक्षणिक सामग्री : कोंकण संस्था की पहल

संत कबीर १५ वीं शताब्दी के महान संत, कवि और समाज सुधारक थे। उन्होंने धर्म, जाति, रूढ़ियों और अंधविश्वासों के खिलाफ ठोस भूमिका अपनाई। उनके दोहों के माध्यम से मानवता, प्रेम और एकता का संदेश दिया गया है। उन्होंने तत्कालीन सामाजिक परिस्थितियों में जो उपदेश दिए, वे आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं। कबीरदास का प्रत्येक दोहा जीवन का दर्शन सिखाता है। इसलिए हर किसी ने उनकी दी गई शिक्षाओं को आत्मसात करना चाहिए झ यही उन्हें जयंती के अवसर पर सच्ची श्रद्धांजलि होगी, ऐसा मत वक्ता प्रो. रूपेश पाटिल ने व्यक्त किया। कोकण संस्था की ओर से श्री पंचम खेमराज महाविद्यालय, सावंतवाड़ी में ८५५ जरूरतमंद विद्यार्थियों को निःशुल्क स्कूल बैग और शैक्षणिक सामग्री वितरित की गई। साथ ही संत कबीर जयंती भी श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर सावंतवाड़ी संस्थान के युवराज लखमराजे भोसले, कोकणसाद व कोकणसाद **LIVE**′ के संपादक संदीप देसाई, सामाजिक कार्यकर्ता बालू देसाई, पूर्व नगर उपाध्यक्ष अन्नपूर्णा कोरगावकर, मुख्याध्यापक संघ के जिला अध्यक्ष वामन तर्फे, कोकण संस्था के अध्यक्ष श्री. दयानंद कुबल, दैनिक प्रहार के पत्रकार प्रवीण परब, दैनिक सकाळ के हेमंत खानोलकर, सिंधुदुर्ग प्रसारक मंडल के जयप्रकाश सावंत, हिंदी विभाग प्रमुख डॉ. देविदास बोर्डे आदि मान्यवर उपस्थित थे। इस दौरान प्रो. रूपेश पाटिल ने कबीरदास का दोहा उद्धृत करते हुए कहा–निंदक नियरे राखिए, आँगन कुटी छवाय, बिन पानी, साबुन बिना, निर्मल करे सुभाय। कबीरदास कहते हैं कि जो आपकी आलोचना करते हैं, उन्हें पास में रखें, क्योंकि वे आपके दोषों को आपके सामने रखते हैं और आपको निखारते हैं। इस उपक्रम में विद्यालय के मुख्याध्यापक और शिक्षकों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। कोकण संस्था की ओर से साक्षी पोटे, ऋचा पेडणेकर, गौरी आडेलकर, हर्षला अमूप, बिना आहिरे, सूरज कदम, प्रथमेश सावंत, अमित पाटील, वैष्णवी म्हाडगुत, अवंती गावस, सत्यवान भगत, चेतन धर्णे, अमोल गुरम सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन समीर शिर्के ने किया और आभार प्रीति पांगे ने व्यक्त किया।

राष्ट्रीय भ्रष्टाचार निरोधक एवं मानव अधिकार संस्था द्वारा नए पदाधिकारियों की नियुक्तियां की गई

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान/जयपुर। राष्ट्रीय भ्रष्टाचार निरोधक एवं मानव अधिकार संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष एम.एल. डीडवाना के निर्देशानुसार संस्था में नई नियुक्तियां की गई जिससे संस्था को मजबूती मिलेगी। संस्था में प्रहलाद सांचोली सवाईमाधोपुर की जिला उपाध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया गया। संस्था के पदाधिकारी प्रदेश महासचिव बलराम बैरवा, कोषाध्यक्ष राकेश निरंकारी लालसोट, तहसील अध्यक्ष फूला देवी लालसोट, डॉक्टर दिनेश कुमार शर्मा लालसोट, शंकर लाल शर्मा देहलाल रामगढ़ पचवारा, जगमोहन बैरवा श्रीमा लालसोट, तहसील सचिव मुकेश कुमार मोरवाल डीडवाना, मीडिया प्रभारी सोनू कुमार डीडवाना, प्रहलाद साचोली जिला उपाध्यक्ष को अपना अपने अपने पदानुसार संस्था में निष्ठा से कार्य करने की शपथ दिलाई गई। इस समय संस्था के विभिन्न पदाधिकारी उपस्थित रहे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

यकृत स्वस्थ तो जीवन स्वस्थ, यकृत की देखभाल को बनाएं प्राथमिकता : उपमुख्यमंत्री श्री शुक्ल

'ग्लोबल फैटी लिवर दिवस' पर स्वास्थ्य अधिकारियों एवं आशा कार्यकर्ताओं को किया संबोधित

स्वस्थ यकृत मिशन को किया जाएगा और सशक्त, अब तक 10 लाख से अधिक की गई जांचें

शहडोल। विकसित भारत के साथ-साथ स्वस्थ भारत का निर्माण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। यदि यकृत स्वस्थ रहेगा, तो जीवन भी स्वस्थ रहेगा और जब जीवन स्वस्थ होगा, तब परिवार, समाज और पूरा प्रदेश भी स्वस्थ और सशक्त बनेगा। उक्त विचार उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने ग्लोबल फैटी लिवर दिवस पर सागर में वीडियो कॉन्फ्रेंस से प्रदेश के सभी जिलों के स्वास्थ्य अधिकारियों एवं आशा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। पद्म भूषण डॉ शिव कुमार सरीन, निदेशक, इंस्टिट्यूट ऑफ लिवर एंड बिलियरी साइंसेज, नई दिल्ली भी चर्चा में जुड़े। उप मुख्यमंत्री एवं सागर जिले के प्रभारी मंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि ग्लोबल फैटी लिवर डे केवल एक दिन नहीं है, बल्कि स्वास्थ्य के प्रति हमारी प्रतिबद्धता, जागरूकता और स्वस्थ भविष्य की दिशा में सामूहिक संकल्प का संदेश है। उन्होंने कहा कि यकृत (लिवर) हमारे शरीर का सबसे मौन किंतु अत्यंत कार्यशील अंग है। यह अंग ऊर्जा उत्पादन, विषहरण, प्रतिरक्षा और पाचन जैसी महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं की आधारशिला है। जब यकृत प्रभावित होता है, तो उसके लक्षण बहुत देर से प्रकट होते हैं और तब तक शरीर को गंभीर हानि पहुँच चुकी होती है। ऐसे में आवश्यक है कि हम समय रहते यकृत की देखभाल को अपनी प्राथमिकता बनाएं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मोटापा, मधुमेह, असंतुलित आहार, शारीरिक निष्क्रियता और मानसिक तनाव एनएएफएलडी के प्रमुख कारण हैं। ये सभी कारक जीवनशैली से जुड़े हुए हैं। उन्होंने आह्वान किया कि नागरिक अपने और परिवार की जाँच अवश्य कराएं। संतुलित आहार अपनाएं, जंक फूड से बचें, और रोजाना कम से कम 30 मिनट तक शारीरिक गतिविधि को अपने जीवन का अनिवार्य हिस्सा बनाएं। उन्होंने कहा कि ह्यस्वस्थ यकृत मिशन को और भी सशक्त बनाया जाएगा। स्क्रीनिंग से लेकर उपचार तक हर स्तर पर सरकार आपके साथ खड़ी है। स्वास्थ्य संस्थाओं में आवश्यक उपकरण, प्रशिक्षित मानव संसाधन और बेहतर उपचार सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएँगी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि 21 मई 2025 को राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ष्स्वस्थ यकृत मिशनष का शुभारंभ किया। यह एक समर्पित जनस्वास्थ्य पहल है, जो केवल उपचार तक सीमित नहीं, बल्कि रोकथाम, जनजागरूकता, स्क्रीनिंग, रेफरल तथा फॉलोअप के प्रत्येक चरण को एकीकृत रूप में सम्मिलित करती है। 2 जून 2025 से लेकर आज तक हम लगभग 10 लाख नागरिकों की एनएएफएलडी स्क्रीनिंग की जा चुकी है। इनमें से 1.27 लाख लोगों का बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) 23 से अधिक पाया गया। 1 लाख 24 हजार 131 (24 प्रतिशत) महिलाओं की कमर की माप 80 सेंटीमीटर से अधिक और 93 हजार 738 (19 प्रतिशत) पुरुषों की कमर की माप 90 सेंटीमीटर से अधिक पाई गई। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि ये आंकड़े मात्र संख्याएँ नहीं हैं ये एक गंभीर चेतावनी हैं। यह संकेत है कि हम सचेत हो जाएँ और भविष्य की चुनौती के प्रति सजग रहें। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि पूरे प्रदेश में आयुष्मान आरोग्य मंदिरों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, जिला अस्पतालों तथा शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में एनएएफएलडी स्क्रीनिंग शिविर आयोजित किए गए हैं। इन शिविरों में 30 से 65 वर्ष आयु वर्ग के नागरिकों की जाँच की जा रही है। संदिग्ध मामलों को जिला अस्पतालों में रेफर किया जा रहा है और उनका नियमित फॉलोअप भी सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अभियान में आशा कार्यकर्ता, एएनएम, सीएचओ, मेडिकल ऑफिसर, स्वास्थ्य प्रबंधक और पंचायत प्रतिनिधि हमारी सशक्त रीढ़ की हड्डी के रूप में कार्य कर रहे हैं। ये सभी जमीनी स्तर पर सक्रिय होकर घर-घर जाकर लोगों को जागरूक कर रहे हैं, उन्हें प्रेरित कर रहे हैं तथा समय रहते स्क्रीनिंग के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। **(साजिद खान)**

बच्चू कडू के भूख हड़ताल के समर्थन में इस्लामपुर में सख्त बंद, मांगे मान लिए जाने के बाद धरना स्थगित

सांगली महाराष्ट्र। सांगली जिले के तहसील वाळवा के इस्लामपुर में पूर्व मंत्री और प्रहार संगठन के नेता बच्चू कडू अमरावती जिले के मोझरी में छह दिनों से भूख हड़ताल पर हैं। आज सातवां दिन है और किसानों की पूरी कर्जमाफी, दिव्यांगों और विधवाओं को 6000 रुपए मानदेय, जिला परिषद स्कूलों को बचाने समेत 17 विभिन्न मांगों को लेकर धरना जारी है। सरकार के साथ उनकी बातचीत विफल हो गई है। इसके समर्थन में प्रहार संगठन और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार समूह), राष्ट्रीय कांग्रेस, स्वाभिमानी शेतकारी संगठन, शिव सेना (उद्धव बाळसाहेब ठाकरे), आम आदमी पार्टी, व्यापारी महासंघ, संभाजी ब्रिगेड, विद्रोही सांस्कृतिक आंदोलन, मराठा सेवा संघ, बलिराजा शेतकारी संगठन, दलित महासंघ, आर पी आई, शिवशंभो प्रतिष्ठान महाराष्ट्र, संविधान जागर अभियान, भारतीय क्रांति दल और समान विचारधारा वाली पार्टियां ने सख्त बंद का आह्वान किया था और शनिवार 14 जून 2014 को इस्लामपुर के सभी व्यापारियों, किसानों और श्रमिकों ने सख्त बंद रखा। इसे स्वतःस्फूर्त प्रतिक्रिया मिली और हर जगह सख्त बंद देखा गया। सब्जी बाजार, गांधी चौक, यल्लामा चौक, तहसीलदार कार्यालय परिसर, विद्या मंदिर परिसर, उरुण, शिराला नाका सहित शहर में हर जगह व्यापारियों और आम लोगों ने बच्चू कडू के भूख हड़ताल आंदोलन को समर्थन देने हुए इस्लामपुर में श्रृंखलाबद्ध भूख हड़ताल कर समर्थन किया। आंदोलन स्थगितः- 30 जून को दिव्यांगों का मानदेय बढ़ाने, समिति बनाकर उनका वर्गीकरण करने, गांधी जयंती तक किसानों का कर्ज माफ करने समेत अन्य 19 मांगें मान लिए जाने के बाद बच्चू कडू ने भूख हड़ताल आंदोलन स्थगित कर दिया है। इसलिए प्रहार शेतकरी संगठन के जिला अध्यक्ष दिग्विजय पाटिल, दिव्यांक क्रांति संगठन के रामदास कोली और प्रहार शिक्षक संगठन के चंद्रशेखर क्षीरसागर ने घोषणा की कि इस्लामपुर में प्रहार संगठन की क्रमिक भूख हड़ताल स्थगित कर दी गई है। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने छत्रपति शिवाजी महाराज डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा के पास गुलाल फेंककर और चीनी बांटकर अपनी खुशी का इजहार किया।

वांछित फाउंडेशन की संस्थापिका सुनीता मेहरोत्रा ने विमान हादसे के मृतकों को श्रद्धांजलि दी

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। वांछित फाउंडेशन, दिल्ली की संस्थापिका डॉ. सुनीता मेहरोत्रा ने हाल ही में हुए दिनांक 12/06/2025 को अहमदाबाद एयर पोर्ट पर एयर इंडिया विमान हादसे में अपनी जान गंवाने वाले एवम मेडिकल कॉलेज के लगभग 270 लोगों को दुःखी मन से श्रद्धांजलि दी। इस दुखद घटना ने पूरे देश को शोक में डूबो दिया है, और डॉ. मेहरोत्रा ने भी अपने शोक संदेश में पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। डॉ. सुनीता मेहरोत्रा ने कहा, इस दुखद घड़ी में, हम सभी को एकजुट होकर पीड़ित परिवारों के साथ खड़े होने की जरूरत है। मैं उन सभी लोगों को श्रद्धांजलि देती हूं जिन्होंने अपनी जान गंवाई है, और उनके परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं। वांछित फाउंडेशन की संस्थापिका के रूप में, डॉ. सुनीता मेहरोत्रा ने हमेशा समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी और संवेदनशीलता दिखाई है। इस अवसर पर भी, उन्होंने पीड़ितों के प्रति अपनी श्रद्धांजलि और संवेदना व्यक्त करके एक बार फिर से अपनी मानवता और सहानुभूति का परिचय दिया।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सलमान खान का तलाक पर बयान सोशल मीडिया पर छाया

सलमान खान अक्सर अपने बिंदास और बेबाक अंदाज के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जो कपिल शर्मा के शो द ग्रेट इंडियन कपिल शो के तीसरे सीजन से जुड़ा है। इस वीडियो में सलमान खान ने मौजूदा समय में रिश्तों और तलाक को लेकर जो टिप्पणी की, वह फैंस के बीच चर्चा का विषय बन गई है। वीडियो में सलमान खान कहते नजर आ रहे हैं कि पहले लोग एक-दूसरे के लिए त्याग करते थे और समझते थे। अब तो अगर रात को कोई एक टांग अंदर ले आए, उस पर तलाक हो जाता है। खरार्टे ले लिए तो तलाक हो जाता है। छोटी-छोटी बातों पर रिश्ता खत्म कर दिया जाता है। और उसके बाद वो आधे पैसे लेकर भी चली जाती हैं। सलमान के इस बयान पर शो में मौजूद अर्चना पूरन सिंह और नवजोत सिंह सिद्धू ठहाके लगाते दिखे, जबकि सोशल मीडिया पर भी फैंस ने इस पर जमकर रिएक्ट किया। एक यूजर ने लिखा कि सिकंदर भाई ने सच्चाई बोल दी, तो किसी ने कहा कि सलमान खान हमेशा से अपने विचारों में ईमानदार रहे हैं, उन्होंने कभी दिखावा नहीं किया।

शिवांगी जोशी और कुशाल टंडन का टूटा रिश्ता !

टीवी इंडस्ट्री की पॉपुलर एक्ट्रेस शिवांगी जोशी अक्सर अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ-साथ पर्सनल लाइफ को लेकर भी सुर्खियों में बनी रहती हैं। खासकर उनके को-स्टार्स के साथ नाम जुड़ना कोई आम बात नहीं रही है। पहले उनका नाम ये रिश्ता क्या कहलाता है फेम मोहसिन खान के साथ जुड़ा था, तो वहीं बीते कुछ महीनों में वो कुशाल टंडन के साथ नजदीकियों को लेकर चर्चा में थीं। लेकिन अब खबर है कि शिवांगी और कुशाल का रिश्ता टूट चुका है। सूत्रों के मुताबिक, दोनों के बीच दूरियां काफी बढ़ गई हैं। सोशल मीडिया पर इनकी हालिया एक्टिविटी इस ओर साफ इशारा कर रही है। दरअसल, शिवांगी और कुशाल ने एक-दूसरे को इंस्टाग्राम पर अनफॉलो कर दिया है। यही नहीं, उनके पुराने पोस्ट्स पर एक-दूसरे के कमेंट्स और लाइक्स भी गायब हो चुके हैं। इससे फैंस के बीच यह चर्चा तेज हो गई है कि दोनों के बीच अब कुछ भी ठीक नहीं है। शिवांगी और कुशाल ने सोनी टीवी के शो बड़े अच्छे लगते हैं 3 में साथ काम किया था। इसी दौरान उनकी दोस्ती गहरी हुई और कई बार दोनों को एक-दूसरे के साथ स्पेशल मोमेंट्स शेयर करते हुए देखा गया। कुशाल ने कई बार इंस्टाग्राम पर शिवांगी के लिए प्यार भरे पोस्ट भी किए, जिससे उनके अफेयर की अफवाहों को और हवा मिली। यहां तक कि कुशाल ने एक इंटरव्यू में यह इशारा तक कर दिया था कि वह शिवांगी को पसंद करते हैं। हालांकि अब हालात बिल्कुल बदल गए हैं। हाल ही में जब शिवांगी का नया शो ऑनएयर हुआ तो कुशाल की तरफ से न कोई बधाई संदेश आया और न ही कोई सोशल मीडिया इंटरैक्शन देखा गया। इस खामोशी ने फैंस का ध्यान खींचा और अब हर कोई यही जानना चाहता है कि क्या दोनों ने अपनी राहें अलग कर ली हैं?

ABVM AGRAWAL JATIYA KOSH'S GHANSHYAMDAS JALAN COLLEGE
Estd. - 2014

G.D. JALAN COLLEGE
Affiliated to University of Mumbai & M.S. Board
(MARWARI MINORITY) NAAC Accredited with B+ Grade, ISO 9001 : 2015 CERTIFIED COLLEGE
College Code : 527
Junior College
F.Y.J.C/ S.Y.J.C (Science & Commerce)
Degree College
B. Com • B.A.F • B.Sc.I.T • B.M.S • B.Sc
ADMISSIONS OPEN
Contact Number : 9326346900 / 9326335467
Upper Govind Nagar, Malad (East)